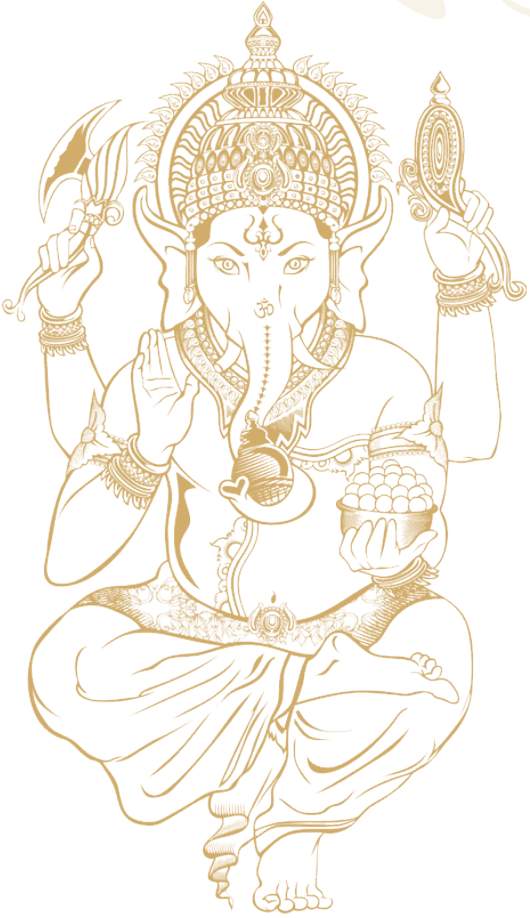

shreyA kumari

26 Oct 2001

10:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120938503

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**26/10/2001**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**22:00:00 घंटे**
इष्ट	38:47:15 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:16:03 घंटे
साम्पातिक काल	23:59:20 घंटे
सूर्योदय	06:29:06 घंटे
सूर्यास्त	17:40:55 घंटे
दिनमान	11:11:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	09:26:51 तुला
लग्न के अंश	18:13:57 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वृद्धि
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गौतमी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:13:57	316:15:19	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			तुला	09:26:51	00:59:50	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			कुंभ	07:23:33	11:50:52	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
मंगल			मक	05:24:59	00:40:55	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	उच्च राशि
बुध			कन्या	21:30:52	00:37:27	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मिथु	21:44:04	00:01:23	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	20:02:39	01:14:45	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	नीच राशि
शनि	व		वृष	20:18:31	00:03:04	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	05:04:10	00:05:29	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	उच्च राशि
केतु	व		धनु	05:04:10	00:05:29	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	27:02:23	00:00:13	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:08:09	00:00:18	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	19:43:54	00:01:52	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	05:55:58	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:38

लग्न-चलित

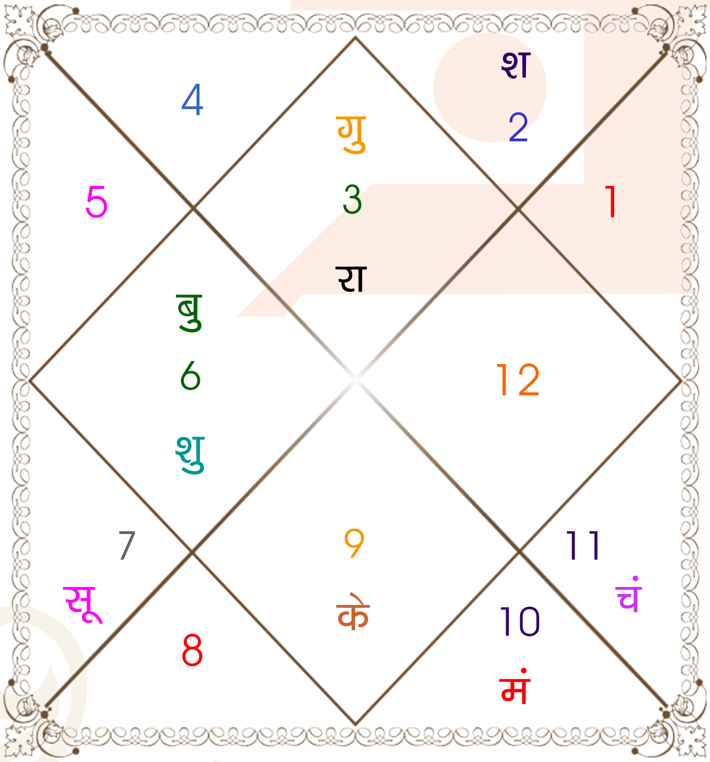

चन्द्र कुंडली

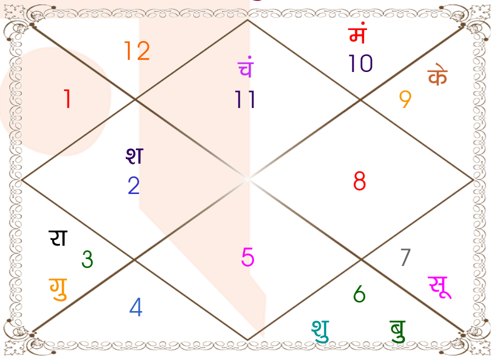

नवमांश कुंडली

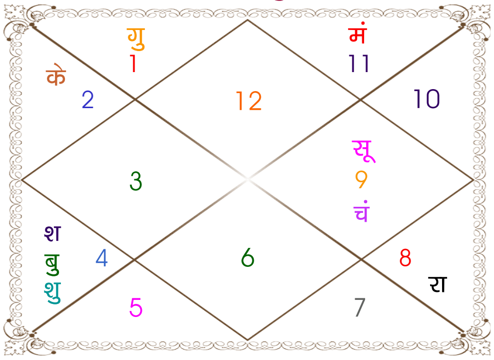

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 17 वर्ष 0 मास 7 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
26/10/2001		03/11/2018		03/11/2034		03/11/2053		03/11/2070	
03/11/2018		03/11/2034		03/11/2053		03/11/2070		03/11/2077	
राहु	17/07/2003	गुरु	21/12/2020	शनि	06/11/2037	बुध	31/03/2056	केतु	01/04/2071
गुरु	09/12/2005	शनि	05/07/2023	बुध	16/07/2040	केतु	29/03/2057	शुक्र	31/05/2072
शनि	15/10/2008	बुध	09/10/2025	केतु	25/08/2041	शुक्र	27/01/2060	सूर्य	06/10/2072
बुध	05/05/2011	केतु	15/09/2026	शुक्र	24/10/2044	सूर्य	03/12/2060	चंद्र	07/05/2073
केतु	22/05/2012	शुक्र	16/05/2029	सूर्य	06/10/2045	चंद्र	04/05/2062	मंगल	03/10/2073
शुक्र	23/05/2015	सूर्य	05/03/2030	चंद्र	08/05/2047	मंगल	02/05/2063	राहु	22/10/2074
सूर्य	16/04/2016	चंद्र	05/07/2031	मंगल	15/06/2048	राहु	18/11/2065	गुरु	28/09/2075
चंद्र	15/10/2017	मंगल	09/06/2032	राहु	22/04/2051	गुरु	24/02/2068	शनि	06/11/2076
मंगल	03/11/2018	राहु	03/11/2034	गुरु	03/11/2053	शनि	03/11/2070	बुध	03/11/2077

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
03/11/2077		03/11/2097		04/11/2103		04/11/2113		04/11/2120	
03/11/2097		04/11/2103		04/11/2113		04/11/2120		00/00/0000	
शुक्र	04/03/2081	सूर्य	20/02/2098	चंद्र	04/09/2104	मंगल	02/04/2114	राहु	27/10/2121
सूर्य	05/03/2082	चंद्र	22/08/2098	मंगल	05/04/2105	राहु	20/04/2115		00/00/0000
चंद्र	03/11/2083	मंगल	28/12/2098	राहु	05/10/2106	गुरु	26/03/2116		00/00/0000
मंगल	02/01/2085	राहु	22/11/2099	गुरु	04/02/2108	शनि	05/05/2117		00/00/0000
राहु	03/01/2088	गुरु	10/09/2100	शनि	04/09/2109	बुध	02/05/2118		00/00/0000
गुरु	03/09/2090	शनि	23/08/2101	बुध	03/02/2111	केतु	28/09/2118		00/00/0000
शनि	03/11/2093	बुध	29/06/2102	केतु	04/09/2111	शुक्र	29/11/2119		00/00/0000
बुध	03/09/2096	केतु	04/11/2102	शुक्र	05/05/2113	सूर्य	04/04/2120		00/00/0000
केतु	03/11/2097	शुक्र	04/11/2103	सूर्य	04/11/2113	चंद्र	04/11/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 17 वर्ष 0 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।